# दिगांबरराव बिंदु महाविद्यालय, भोकर

**B.A. I हिंदी विभाग Sem I & II**

**कथा साहित्य Paper I & II**

**प्रा. डॉ. दीपक पवार**

**उद्देश :-**

1) हिन्दी साहित्य को कहानीविधा और उपन्यास विधासे छात्रो को परिचित करना।

2) कथा साहित्य की लेखन शैली से परिचित करना।

3) कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों की चिंतन तथा लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना।

4) विविध पात्रों की मानसिकता एवं क्रिया कलापों से छात्रो में सही और गलत को परखने की क्षमता विकसित करना।

5) कथा साहित्य से छात्रों को विविध समस्याओं से अवगत कर उन समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करना।

**महत्व :-**

1) कथा साहित्य की आधारपर बौद्धीक तथा मानसिक क्षमता को परिस्कृत करके समाज एवं राष्ट्रहित की और प्रेरित करने की भूमिका

2) युवाशक्ती की राष्ट्रविकास निर्माण के लिए महत्वपुर्ण भूमिका

3) खंजन नयन उपन्यास के माध्यम से संत सुरदासजी का परिचय

4) कथा साहित्य के माध्यमसें छात्रों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा

5) उपन्यास के आधार पर स्त्रीवादी साहित्य का परिचय

**विषय हिंदी**

**B.A. I** **Semi I & II**

**नाटक तथा एकांकी - II & IV**

**प्रा. थोरात एस.सी.**

उद्देश :-

1) नाटक तथा एकांकी विधा से परिचित करना।

2) नाटक के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना।

3) संवाद लेखन-वाचन कौशल का विकास करना।

4) रंगमंच से संबंधित जानकारी छात्रों को देना।

5) अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना।

**महत्व :-**

1) धरती आबा नाटक के आधारपर बिरसा मुंडा का चरित्र चित्रण

2) नाटक तथा एकांकी का विकास क्रम

3) नाटक तथा एकांकी के आधारपर रोजगार के अवसर

4) अभंग गाथा नाटक के आधार पर संत तुकाराम जी का जीवन चरित्र तथा विचार

5) एकांकी के माध्यम से सामाजिक समस्या की अभिव्यक्ती

## विषय हिंदी

**B.A/B.Com/B.Sc. I** **Semi I & II**

## साहित्य भारती - I & II SL

**प्रा. डॉ. दिपक पवार**

**उद्देश :-**

1) द्वितीय भाषा के रुप में छात्रों का हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय देना।

2) कालानुरुप कहानी और काव्य में आये परिवर्तन को समझना।

3) कहानी और काव्य के माध्यम से छात्रों को परिस्कृत करना।

4) छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराना।

5) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचित उत्पन्न करना।

**महत्व :-**

1) हिंदी भाषा का विनिमय करना।

2) हिंदी भाषा के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान की जानकारी

3) कहानी और कविता के आधारपर नैतिक मूल्यों की अभिव्यक्ती

4) साहित्य के माध्यम से जीवन में सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन

5) वृत्तांतलेखन तथा पत्र लेखन की प्रविधि

## विषय हिंदी

**B.A. II** | **Semi IV**

**DSG - Hin - I** | **हिन्दी भाषा - X**

**प्रा. थोरात एस.सी.**

**उद्देश :-**

1) हिन्दी भाषा के प्रति छात्रों मे रुची उत्पन्न करना।
2) भाषा के स्वरुप को समझना।
3) हिन्दी भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्रों का परिचय कराना।
4) भाषाई वैविध्य वाले भारत देश में हिन्दी के महत्व को समझना।
5) हिन्दी की संवैधानिक स्थितीसे छात्रों को अवगत कराना।

**महत्व :-**

1) वैदिक, संस्कृत, प्राकृत-पाली अपभ्रंष आदि भाषाओ का हिन्दी भाषाओं से परिचित
2) हिन्दी भाशा भारत वासीयो के जीवन का महत्वपूर्ण अंग
3) भाषा के स्वरुप तथा प्रयुक्तिक्षेत्र से परिचित
4) हिन्दी भाषा के माध्यम से नये रोजगार के अवसर
5) वैश्वीकरण के बदलते परिवेश में हिन्दी भाषा की उपयोगिता

## विषय हिंदी

**B.A. III** | **Semi VI**

**DSG - Hin - I** | **भाषा शिक्षण - XI**

**प्रा. थोरात एस.सी.**

**उद्देश :-**

1) भाषा शिक्षण के महत्व को प्रतिपादित करना।
2) हिन्दी भाषा के व्याकरणिक कोटियों को समझना।
3) भाषाई शुद्धता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर बढाना।
4) बदलते भाषाई परिवेश में परम्परागत् भाषाई मौलिकता को समझना।
5) बदलते भाषाई परिवेश में लोकभावनाओं को समझना।

**महत्व :-**

1) हिन्दी भाषा के माध्यम से ज्ञानप्राप्ती

2) हिन्दी भाषा मानविय भावनाओं एवं विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम

3) भाषा शिक्षण के माध्यम से भाषाई शुद्धता एवं प्रयोग कुशलता से रोजगार के अवसर

4) साहित्यिक भाषा के साथ-साथ इसमें व्यापार तथा विज्ञान की अद्यतन की जानकारीयाँ

5) भाषा शिक्षण का महत्व अक्षुण्ण

**विषय हिंदी**

**B.A. III** **Semi IV** **Paper No. IX**

**DSE - Hin - I** **हिन्दी साहित्य का इतिहास**

**प्रा. डॉ. दीपक पवार**

**उद्देश :-**

1) हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास का परिचय कराना।

2) हिन्दी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमिं को समझना।

3) साहित्यिक प्रवृत्ति की परम्परा को समझना।

4) साहित्य के माध्यम से जीवनमुल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना।

5) भाषाई शिल्प के परिवर्तनों को समझना।

**महत्व :-**

1) हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन के माध्यम से भविष्यकालीन इतिहास का निर्माण

2) वर्तमान जीवन को सफल बनाने में साहित्यिक प्ररिस्थितियाँ प्रेरणा स्त्रोत

3) वर्तमान जीवन को सफल बनाने में साहित्यिक प्रकृतियाँ प्रेरणा स्त्रोत

4) हिन्दी साहित्य के माध्यम से तत्कालिन जीवन मूल्यों का दर्शन

5) हिन्दी साहित्य के माध्यम से नये जीवन और कलाओं का निर्माण

विषय हिंदी

**B.A. III**
**DSE - Hin - II**

**Semi IV**
**साहित्य शास्त्र XI**

**प्रा. डॉ. दीपक पवार**

**उद्देश :-**

1) साहित्य का शास्त्रिय पद्धति से अध्ययन करना।

2) साहित्य शास्त्र के महत्व को प्रतिपादित करना।

3) छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रीय दृष्टिकोन विकसित करना।

4) शब्द और अर्थो के सम्बधों को समझना।

5) अलोचना की मानविय सहज प्रवृति का साहित्यिक विश्लेषण करना।

**महत्व :-**

1) साहित्यशास्त्र के माध्यम से व्यक्तिमत्व का विकास तथा पथ प्रदर्शन

2) साहित्य ज्ञानवर्धन का साधन है।

3) साहित्य सांस्कृतिक जीवन माध्यम है।

4) साहित्यिक कलाओं के माध्यम से जीवन को आनंदमयी बनाना।

5) साहित्य का शास्त्रीय दृष्टीकोन से अध्ययन

विषय हिंदी

**B.A. III**
**Paper III**

**Semi V**
**हिन्दी भाषा कौशल (SEC)**

**प्रा. थोरात एस.सी.**

**उद्देश :-**

1) छात्रों में व्यवसायाभिमुख कौशल विकसित करना।

2) कौशल के अनेक क्षेत्रों से हिन्दी को जोड़ना।

3) छात्रों में लेखन कौशल विकसित करना।

4) छात्रों को रोजगार के अवसरों से परिचित एवं प्रेरित करना।

5) छात्रों को कौशल के माध्यम से सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना।

महत्व :-

1) हिन्दी भाषा कौशल विकास के माध्यम से छात्रों की कार्यकुशलता
2) हिन्दी भाषा कौशल के माध्यम से विश्व में भारत की युवाराष्ट्र के रुप में पहचान
3) हिन्दी भाषा कौशल से युवाशक्ती की क्षमता को राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोग
4) छात्रो को कौशल के माध्यम सम्पुर्ण व्यक्तित्व का विकास
5) हिन्दी भाषा के साथ विज्ञान एवं औद्योगिकी, अभियांत्रीकी, चिकित्सा, विधि का हिन्दी के साथ संबंध

**विषय हिंदी**

**B.A. III** **Semi VI**

**हिन्दी भाषा कौशल**

**प्रा. थोरात एस.सी.**

उद्देश :-

1) प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण को समझना।
2) कम्पुटर का भाषाई भविष्य समझना।
3) हिन्दी में पॉवर पाईन्ट का महत्व एवं प्रविधि को समझना।
4) ब्लॉग लेखन के महत्व और प्रकारों को समझना।
5) इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यु-ट्युब पर प्रकाशन समझना

महत्व :-

1) प्रिंट मीडिया से छात्र परिचित
2) छात्रों को कम्पुटर भाषा का ज्ञान
3) विज्ञापन लेखन का परिचय
4) हिन्दी में ब्लॉग लेखन की प्रविधि से परिचित
5) इंटरनेट सामग्री सृजन का परिचय

विषय हिंदी

**B.A. II** **Semi III**

## मध्ययुगीन कविता

**प्रा. थोरात एस.सी.**

**उद्देश :-**

1) हिंदी काव्य विधा से परिचित करना।
2) छात्रों को कविता के प्रति आकर्षण निर्माण करना।
3) मध्यमयुगीन कवियों से परिचित करना।
4) आुनिक काल के कवियों से परिचित करना।
5) कविताओं से विनम्रता, समन्वयता, निष्पक्षता, समाजभिमुखता एवं सहिष्णुता के भाव छात्रों मे निर्माण करना।

**महत्व :-**

1) कबीर के विचारों के आधार पर जातिव्यवस्था का निर्मुलन
2) बिहारी के माध्यम से श्रृंगारीकता को अभिव्यक्ति
3) भूषण के माध्यम से शिवाजी महाराज की राष्ट्र निर्माण की भावना
4) रैदास के विचारों के आधारपर अंधविश्वास निर्मुलन
5) मीरा की कृष्णभक्ति भावना

विषय हिंदी

**B.A. III Opt. Hindi**
**Paper VII** **Semi V**

## आधुनिक कविता

**प्रा. थोरात एस.सी.**

**उद्देश :-**

1) हिन्दी आधुनिक कविता का परिचय करना।
2) आधुनिक कविता का विकासक्रम का परिचय करना।
3) छायावादी कवियों का परिचय करना।
4) स्त्रीवादी कविता का परिचय करना।
5) दलीत काव्य का परिचय करना।

महत्व :-

1) जयशंकर प्रसाद की कविता के माध्यम से राष्ट्रप्रेम
2) हरिवंशराय बच्चन की कविता के माध्यम से हालावादी साहित्य का परिचय
3) केवलभारती की कविता के आधार पर डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की जीवन
4) रजनी अनुरागी के स्त्रीवादी विार
5) कैफी आजमी की गज़ल का परिचय

**विषय हिंदी**

**B.A. II** **Semi III&IV**

**DSE - Hin - II** **निबंध तथा कथेत्तर गद्य VI & VIII**

**प्रा. डॉ. दीपक पवार**

**उद्देश :-**

1) हिंदी निबंध विधा से परिचित करना।
2) हिंदी कथेत्तर गद्य साहित्य से परिचित करना।
3) कालानुरुप निबंध और कथेत्तर गद्य में आये परिवर्तन को समझना
4) हिंदी निबंध के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना।
5) हिंदी निबंध तथा कथेत्तर गद्य से सहिष्णुता तथा समाजभिमुखता के भाव छात्रों में निर्माण करना।

**महत्व :-**

1) निबंध विधा का विकासक्रम
2) छात्रों को निबंध लिखने की प्रेरणा
3) वासुदेश शरण अग्रवाल के निबंध पर आधारित राष्ट्रप्रेम
4) डॉ. एन. सिंह के निबंध के आधार दलित साहित्य का परिचय
5) नानाजी देशमुख के निबंध पर आधारित ग्रामविकास

विषय हिंदी

**B.A./B.Com/B.Sc. II (SL Hindi)** **Semi III**

**Paper III** द्वितीय भाषा हिन्दी

कथेत्तर गद्य

प्रा. थोरात एस.सी.

उद्देश :-

1) हिन्दी निबंध साहित्य से परिचित कराना।
2) हिन्दी जीवनी तथा आत्मकथा विधा से परिचित करना।
3) हिन्दी डायरी साहित्य से परिचित करना।
4) हिन्दी एकांकी साहित्य से परिचित करना।
5) हिन्दी रेखाचित्र तथा संस्मरण के परिचित करना।

महत्व :-

1) हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय
2) रचनाओं में जीवन मूल्यों की अभिव्यक्ती
3) आत्मकथा के माध्यम से डॉ.बाबासाहेब आंबेडकरजी का परिचय
4) जीवनीअंश के माध्यम से प्रेमचंद का व्यक्तित्व
5) पंग विधा के माध्यम से शहीद भगतसिंग की राष्ट्रभक्ती

विषय हिंदी

**B.A./B.Com/B.Sc. II** **Semi IV**

**Paper IV** द्वितीय भाषा हिन्दी

कथेत्तर गद्य

प्रा. थोरात एस.सी.

उद्देश :-

1) छात्रों को नाटक विधा से परिचित करना।
2) नाटक के आधारपर तत्कालीन सामाजिक परिस्थीतियों से परिचित करना।
3) अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना।
4) छात्रों को प्रयोजनमूल्क हिन्दी सें परिचित करना।

5) छात्रों को इंटरनेट की उपयोगिता से परिचित करना।

**महत्व :-**

1) प्रयोजनमूल्क हिन्दी के माध्यम से रोजगार उपलब्धी
2) कम्प्युटर की ज्ञानप्राप्ती
3) नाटक के माध्यम से भविष्य में अभिनेता की निर्मिती
4) बलॅग लेखन का परिचय
5) नाटक के आधार सामाजिक स्थिति की जानकारी

**विषय हिंदी**

**B.A. II (SEC)** **Semi III&IV**

**हिन्दी कौशल विकास I & II**

**प्रा. डॉ. दीपक पवार**

**उद्देश :-**

1) छात्रों मे व्यवसायाभिमुख कौशल विकसित करना।
2) कौशल के विविध क्षेत्रों से हिदी को जोड़ना।
3) छात्रों में पत्र लेखन कौशल विकसित करना।
4) छात्रों में संभाषण कौशल विकसित करना।
5) छात्रों में पटकथा तथा समाचार लेखन कौशल विकसित करना।

**महत्व :-**

1) हिंदी भाषा कौशल विकास के माध्यम से छात्रों की कार्यकुशलता का परिचय।
2) हिंदी भाषा कौशल के माध्यम से विश्व में भारत की युवाराष्ट्र के रुप में पहचान
3) छात्रों को कौशल के माध्यम से सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास
4) छात्रों में संभाषण से अच्छे वक्ता के गुणों का विकास
5) पटकथा लेखन से रोजगार के अवसर की संभावनाएँ।